श्री विन्ध्येश्वरी स्तोत्रम

जय जय माँ
जय जय जय जय माँ
जय जय जय जय माँ
जय जय माँ ||

निशुम्भ शुम्भ गर्जनी
प्रचण्ड मुण्ड खण्डिनी |
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
त्रिशूल मुण्ड धारिणी
धरा विघात हारिणी |
गृहे गृहे निवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
दरिद्र दुःख हारिणी
सदा विभूति कारिणी |

वियोग शोक हारिणी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
लसत्सुलाल लोचनं
लतासनं वरप्रदं |
कपाल-शूल धारिणी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
कराब्जदानदाधरां
शिवाशिवां प्रदायिनी |
वरा- वराननां शुभां
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
कपीन्द्र जामिनीप्रदां

त्रिधा स्वरुप धारिणी |
जले-स्थले निवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||

विशिष्ट शिष्ट कारिणी

विशाल रूप धारिणी |
महोदरे विलासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||
पुरंदरादि सेवितां
पुरादिवंशखण्डिताम् |
विशुद्ध बुद्धकारिणी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी
भजामि विंध्यवासिनी ||

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/31172/title/shree-vindeshwari-stuti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |